अशरीरी बनने से ही मिलती शांति
देह -भान में आने से होती अशांति
अपने स्वधर्म में रहो स्थित
आत्मा समझ बाप को करना याद
यथार्त याद करनी तो, ज्ञान का नशा हो चढ़ा
बुद्धि में हो, विश्व का मालिक बाप बना रहा
विकर्माजीत बनना तो विकर्मो पर पानी जीत
बुद्धि में वर्सा और एक बाप की ही, हो याद
श्रीमत पर चलना,मातेला बनना
खुद समझ फिर दूसरों को है समझाना
विश्व की आत्मायें अशांति से चिल्ला रही
सबकी नज़र अब पीस ऑफ़ टॉवर पर जा रही
फरिश्ता स्वरुप बन उनके दु:ख दूर करो
आपनी हिम्मत का एक कदम बढ़ाओ तो
बाप की मदद हज़ार कदम आगे बढ़ायेगी

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!